मूत्रावधारण/अवरोध
(मूत्र मूत्राशय में रूक जाना)

उम्र और लिंग	निदान	खास लक्षण
1. दो साल से छोटे लड़के में	शिश्न त्वचा का छेद छोटा होना (फाईमोसिस)	पेशाब बूंदों में निकलता है; पिन जैसे छेद वाला छेद और पेशाब करते हुए शिश्न का सिरा फूल जाना
2. छोटे बच्चों में	मूत्रमार्ग में वाल्व होना	पेशाब बूंदों में निकलता है परन्तु शिश्न फूलता नहीं है, बच्चा पेशाब करते हुए कराहता है।
3. स्कूल जाने से पहले की उम्र में और स्कूल के शुरूआती सालों में	मूत्राशय में पथरी	पेशाब रुक जाता है या फिर शरीर की स्थिति बदलने पर निकलता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि चौकड़ी मारकर बैठने पर पत्थर मूत्रमार्ग की मोरी के सामने आ जाते हैं। वही पेट के बल लेटने पर ये पत्थर एक तरफ हो जाता हैं। अकसार पेशाब में कंकड़ भी निकलते हैं। और मूत्रतंत्र का संक्रमण बार बार होने लगता है।
4. तरुण और वयस्क महिलाओं व पुरुषों में	यौन संक्रमण के कारण मूत्रमार्ग में संकुचन	आमतौर पर यौन रोगों का इतिहास या प्रमाण मौजूद। (जैसे पेशाब में पीप, जनन अंगों में अल्सर आदि)
5. वयस्क पुरुषों में	पुरस्थ ग्रंथि का बढ़ जाना	पेशाब बूंदों में टपकता है, पेशाब करने में कष्ट होना है। मलाशय मार्ग जांच करने पर पुरस्थ ग्रंथि सूजन महसूस होती है।
6. औरतों में गर्भ के पहले तीन महीनों में	बढ़ा हुआ गर्भाशय मूत्रमार्ग को दबाता है	यह शिकायत केवल गर्भ के पहले तीन महीनों तक ही सीमित होती है क्योंकि तब गर्भाशय मूत्राशय के निकास को दबा रहा होता है।
7. औरतों में चालीस की उम्र के बाद	योनि की दीवार या गर्भाशय का अपनी जगह से हट जाना	गर्भाशय (बच्चादानी) का थोड़ा या पूरा योनि से नीचे उतर जाना, जिससे मूत्रमार्ग मुड़ जाता है।
8. बूढ़े आदमियों और औरतों में	गर्भाशय, मूत्राशय, गुदा, पुरस्थ आदि का कैंसर	खास अंगों से संबंधित शिकायतें (जैसे रक्त स्त्राव या अवरोध) वजन कम होना, भूख कम लगना।